मनोविज्ञान

(कक्षा–11)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

खण्ड-क (सामान्य मनोविज्ञान)

4-अवधानात्मक तथा प्रत्यक्षात्मक प्रक्रियायें

प्रकार बोधात्मक कारक आकृति, प्रत्यक्षीकरण, रंग प्रत्यक्षीकरण

5-मनोविज्ञान में प्रयोग--

(2) अवधान विस्तार।

खण्ड-ख (व्यावहारिक मनोविज्ञान)

3-बाल अपराध--

(ख) शोधक उपाय परीक्षा--परिवीक्षण काल,

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

27-मनोविज्ञान

कक्षा-11

100 अंको का एक प्रश्न-पत्र होंगा, जिसकी अवधि तीन घण्टे होगी। न्यूनतम उत्तीर्णांक-33

खण्ड-क (सामान्य मनोविज्ञान) **50 अंक**

1-मनोविज्ञान का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र। 07 अंक

2-मनोविज्ञान अध्ययन की पद्धतियाँ--अन्तर्दर्शन, निरीक्षण, प्रयोगात्मक तथा नैदानिक विधि। 08 अंक

3-व्यवहार के अभिप्रेरणात्मक एवं संवेगात्मक आधार अभिप्रेरणा--अर्थ स्वरूप, मौलिक अभिप्रेरणात्मक, सम्प्रत्यक्ष प्रकार (जन्मजात एवं अर्जित प्रेरक), आन्तरिक तथा वात्य अभिप्रेरण, सम्वेग का अर्थ, विशेषतायें, सम्वेग में शारीरिक परिवर्तन, विभिन्न मत। 15 अंक

4-अवधानात्मक तथा प्रत्यक्षात्मक प्रक्रियायें--अवधान प्रकृति, विस्तार, विशेषतायें, प्रत्यक्षीकरण--अर्थ, प्रकृति प्रत्यक्षीकरण तथा सम्वेदना में भिन्नता, प्रारम्भिक संगठन के नियम, भ्रम एवं विभ्रम। 14 अंक

5-मनोविज्ञान में प्रयोग-- 06 अंक

(1) प्रत्यक्षीकरण में तत्परता।

खण्ड-ख (व्यावहारिक मनोविज्ञान) **50 अंक**

1-भारतीय स्थितियों के विशेष सन्दर्भ में शैक्षिक, व्यावसायिक, व्यक्तिगत निर्देशन, उत्तर प्रदेश में निर्देशन सेवा। 12 अंक

2-मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान--अर्थ, क्षेत्र एवं उपयोगिता, वास्तविक स्वास्थ्य क्या है ? मानसिक अस्वस्थता के कारण, शोधक एवं प्रतिबन्धात्मक उपाय। 08 अंक

3-बाल अपराध-- 10 अंक

(क) कारण--पर्यावरणीय एवं मनोविज्ञान।

(ख), सुधार गृह, मनोचिकित्सा।

4-उद्योग में मनोविज्ञान--कर्मचारियों के चयन, कार्य की दशायें तथा पदोन्नति के अवसर, प्रशासन तथा कल्याणकारी कार्यों के लिये सन्दर्भ में उद्योग एवं मानवीय सम्बन्ध, हड़ताल एवं तालाबन्दी/विज्ञापन तथा उद्योग का सम्बन्ध। 12 अंक

5-मनोविज्ञान में सांख्यिकीय गणना--सांख्यिकी का अर्थ, स्वरूप, उपयोगिता, आंकड़ों का व्यवस्थापन, केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप, माध्यमान, मध्यांक तथा बहुलक। 08 अंक

पुस्तकें--

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।